पाठ 11. ढोल बजा

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में विवेचनात्मक सोच संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे अपने अनुभवों का सकारात्मक मूल्यांकन कर सकें। इस पाठ में यह बताया गया है कि कभी-कभी किसी पर ज़रूरत से अधिक विश्वास करने पर नुकसान भी उठाना पड़ जाता है।

पाठ का सार

बादशाह असलम खाँ को अपने मंत्री करीम खाँ पर कुछ ज़्यादा ही भरोसा था। करीम खाँ उनके इस भरोसे का नाजायज़ फ़ायदा उठा रहा था। प्रजा भी मंत्री का ही हुक्म मानती थी। इस बात से रानी परेशान रहती थी। रानी ने अपने भाई उस्मान खाँ की मदद माँगी। उस्मान खाँ ने ढोल वाले के वेश में बादशाह के बाग में बार-बार ढोल बजाया। इसके लिए उसने करीम खाँ से हुक्म मिलने की बात कही। उसने ऐसी स्थिति पैदा कर दी जिससे बादशाह को सच्चाई का पता चल गया। बादशाह को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने उस्मान खाँ को अपना मंत्री बना लिया।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी का सार पहले बताएँ। कहानी का वाचन हाव-भाव के साथ करें। कुछ अंश बच्चों से भी पढ़वाए जा सकते हैं। कहानी सुनाते समय राजा, राजमहल, राजदरबार आदि का खाका अवश्य खींचें। चापलूसी करने वाले लोगों का हश्र बुरा होता है, यह संदेश अवश्य दें। राजा या घर के मुखिया को अपने आँख-कान खुले रखने चाहिए। यह शिक्षा भी दें। बच्चों को बताएँ कि विपरीत परिस्थितियों में बुद्धि का इस्तेमाल किस प्रकार किया जा सकता है।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 23** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - बच्चों को बताएँ कि **ढ़** या **ड़** से कोई शब्द शुरू नहीं होता है। बच्चे असावधानीवश **ब/व** तथा **उ/ऊ** से संबंधित गलतियाँ कर बैठते हैं। इस प्रकार की गलतियों से बचने की हिदायत दें।
  - बच्चों को बताएँ कि काम वाले शब्दों के बाद 'कर' आए तो उसे जोड़कर लिखा जाता है।
  - वाक्य बनाने में जिन क्रिया शब्दों का प्रयोग बच्चे करें, उनके रूप की ओर ध्यान आकृष्ट करें।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - बच्चों से हाव-भाव के साथ अभिनय करवाएँ। इससे उनकी संप्रेषण क्षमता का विकास होगा।
  - शहनाई, पियानो, हारमोनियम, बाँसुरी, गिटार, सितार, वीणा, ढोल, मृदंग आदि के नाम गिनाए जा सकते हैं।